Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

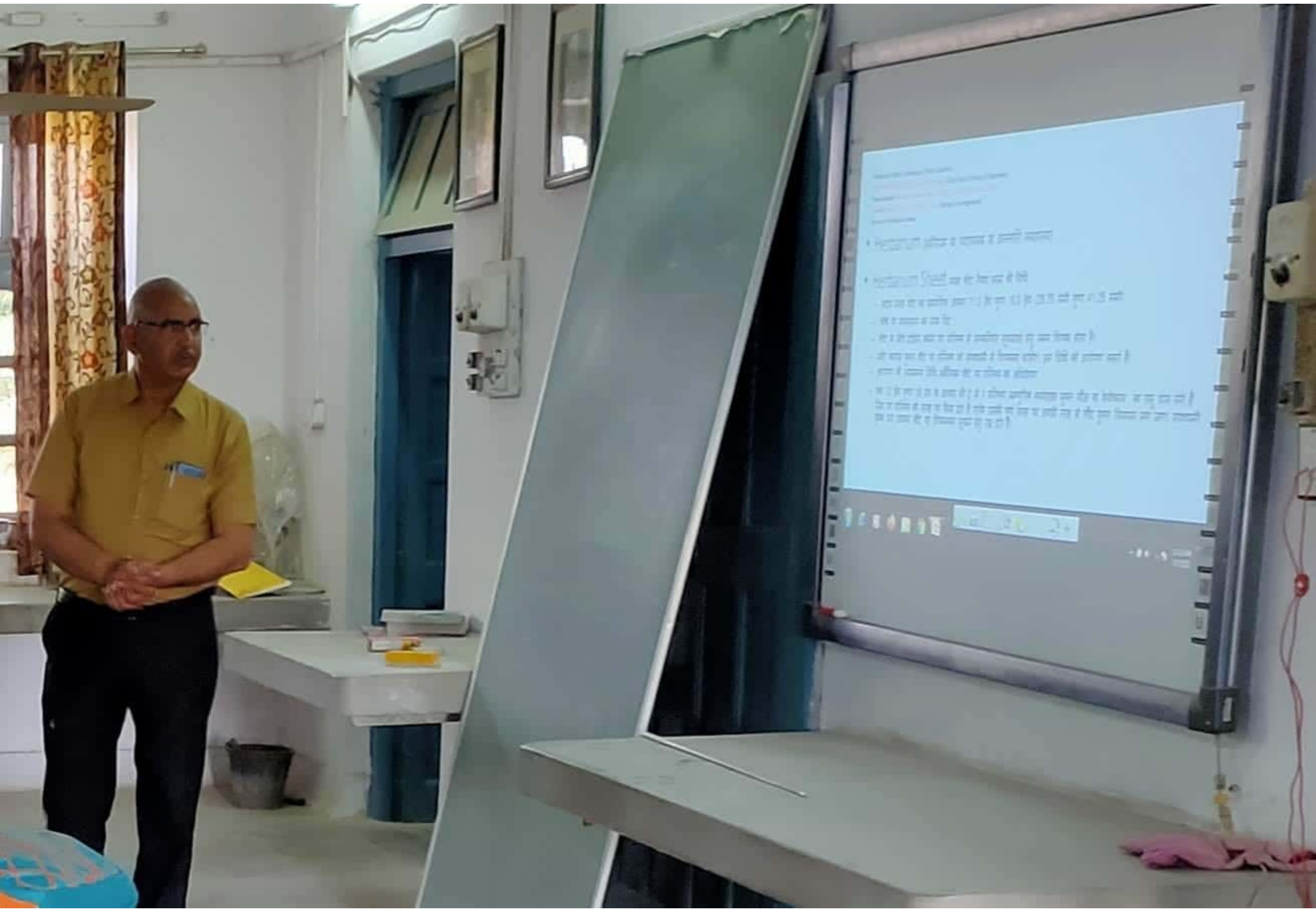

Scanned with CamScanner

कानेर लोकेश अग्रवाल दैनिक उद्योग आस-पास

बांगड़ कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

कोविड-19 महामारी से विद्यार्थियों को भारी नुकसान

डीडवाना। स्थानीय राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में इन्टरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आई.क्यू.ए.सी.) के तत्वावधान में ऑनलाईन टिचिंग व ई-कन्टेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए जारी गाईडलाइन की पालना करते हुए आयोज्य कार्यशाला में सह आचार्य डॉ. अतुल गर्ग ने अपने पी पीटी प्रजेंन्टेशन के माध्यम से बताया कि कोविड-19 की महामारी से शिक्षण कार्य की कक्षा-कक्ष पद्धति जिसमें शिक्षक व विद्यार्थी आमने-सामने रहते हुए अध्ययन-अध्यापन करते थे, बाधित हुई है व इससे विद्यार्थियों को भारी नुकसान हुआ है। डॉ. गर्ग ने बताया कि ऑनलाईन टिचिंग व ई कन्टेंट के माध्यम से शिक्षक वर्चुअल क्लास रूम में विद्यार्थी से इन्टरनेंट का उपयोग करते हुए जुड़ रहा है तथा यूट्यूब पर विषयगत टॉपिक्स पर विडियों शेयर कर उन्हें घर बैठे अध्ययन जारी रखने में मददगार है। कोविड-19 की आपदा को स्कूली शिक्षक व उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षक ने अवसर में बदलते हुए इन्टरनेंट का उपयोग कर ऑनलाईन टिचिंग से विद्यार्थियों को लाभान्वित कर रहें है। डॉ. गर्ग ने इस सन्दर्भ में नए अवसर, चुनौतियों, सुझाव पर चर्चा की। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अरूण व्यास ने बताया कि महाविद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों में ई-कन्टेंट तैयार कर रहे हैं तथा बांगड़ कॉलेज के यू-ट्यूब चैनल पर अभी तक कुल 1169 वीडियोज अपलोड कर चुके है जिसमें पाठ्यक्रम अनुसार अपडेटेड जानकारियां विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। डॉ. व्यास ने बताया कि आई.क्यू.ए.सी. ने महाविद्यालय मे शैक्षणिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु क्वालिटी इनिशिएटिव के तहत कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें सभी संकाय सदस्यों की सहभागिता रही। वाणिज्य संकाय की श्रीमती प्रेम परिहार, सह आचार्य ई.ए.एफ.एम. ने ऑनलाईन टिचिंग व ई कन्टेंट की बारिकियों पर चर्चा करते हुए शिक्षकों के वीडियों व्याख्यान ने गुणात्मक सुधार पर प्रशंसा जाहिर की। कला संकाय के चैनाराम महला ने बताया कि ई-प्लेटफार्म पर विद्यार्थियों से जुड़ाव रखने के लिए वीडियोज तैयार करने के लिए महाविद्यालय में रिकार्डिंग सुविधाओं युक्त स्टूडियों की आवश्यकता हैं। डॉ. सुरेश कुमार वर्मा ने नई शिक्षा नीति व ई क्लास की चुनौतियों पर चर्चा की। डॉ. इरशाद अली खान सह आचार्य-राजनीति विज्ञान ने बताया कि गांव व गरीब तक इन्टरनेट व स्मार्ट फॉन की पहुंच नहीं होने से विद्यार्थियों को होने वाले नुकसान पर ध्यान दिया जाना चाहिए तथा कोविड-19 की महामारी के दौर में इन्टरनेट के डाटा पैकेज में विद्यार्थियों शिक्षकों के लिए सस्ती दरों पर नई स्कीम वर्तमान समय की मांग है। कार्यशाला में वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. जहाँगीर रहमान कुरैशी ने शिक्षकों द्वारा कॉलेज के यू-ट्यूब चैनल पर गुणवता युक्त शैक्षणिक व्याख्यानों के अपलोड करने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे इन विडियोंज को देखे व घर बैठे अध्ययन को सुचारू रखें। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया की ई-प्लेटफॉम यथा यू-ट्यूब चैनल, वाट्सअप तथा फेसबुक पेज पर विद्यार्थियों के हितार्थ शैक्षिणिक ई-कन्टेंट साझा कर विद्यार्थियों को महामारी के इस दौर में ऑनलाईन टिचिंग के मार्फत लाभान्वित करते रहे। प्राचार्य सी.एस. डोटासरा ने आई.क्यू.ए.सी. के बैनर तले समसामयिक विषय पर कार्यशाला में संकाय सदस्यों के विचार विमर्श पर खुशी जाहिर की। कार्यशाला की तकनिकी संचालन राजेन्द्र आसेरी ने किया।

डीडवाना। बांगड़ कॉलेज मे कार्याशाला के दौरान उपस्थित प्राचार्य व अन्य।

Scanned with CamScanner

ई-क्लास की चुनौतियों पर चर्चा

ऑनलाइन टीचिंग व ई कन्टेंट विषय पर कार्यशाला आयोजित

[illegible]

राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में इन्टरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आई.क्यू.ए.सी.) के तत्वावधान में 'ऑनलाईन टीचिंग व ई-कन्टेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कोविड-19 की गाइड लाइन की पालना करते हुए आयोजित की गई कार्यशाला में डॉ. अतुल गर्ग, सह आचार्य गणित ने अपने पीपीटी प्रजेंन्टेशन के माध्यम से बताया कि कोविड-19 की महामारी से शिक्षण कार्य की कक्षा-कक्ष पद्धति जिसमें शिक्षक व विद्यार्थी आमने-सामने रहते हुए अध्ययन-अध्यापन करते थे बाधित हुई है व इससे विद्यार्थियों को भारी नुकसान हुआ है। डॉ. गर्ग ने कहा कि ऑनलाईन टीचिंग व ई कन्टेंट के माध्यम से शिक्षक वर्चुअल क्लासरूम में जुड़ रहा है तथा यू-ट्यूब पर विषयगत टॉपिक्स पर वीडियो शेयर कर उन्हें घर बैठे अध्ययन जारी रखने में मदद की है। वहीं संयोजक डॉ. अरूण व्यास ने कहा कि महाविद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों में ई-कन्टेंट तैयार कर रहे हैं तथा बांगड़ कॉलेज के यू-ट्यूब चैनल पर अभी तक कुल 1169 वीडियोज अपलोड कर चुके है जिसमें पाठ्यक्रम अनुसार अपडेटेड जानकारियां विद्यार्थियों को दी जा रही हैं।

बांगड़ महाविद्यालय में कार्यशाला को सम्बोधित करते वक्ता। -कृष्णमुरारी शर्मा

डॉ. व्यास ने बताया कि आईक्यूएसी ने महाविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु क्वालिटी इनिशिएटिव के तहत कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें सभी संकाय सदस्यों की सहभागिता रही। कला संकाय के चैनाराम महला, सहायक आचार्य- राजनीति विज्ञान ने बताया कि ई-प्लेटफार्म पर विद्यार्थियों से जुड़ाव रखने के लिए बढ़िया विडियोज तैयार करने के लिए महाविद्यालय में रिकार्डिंग सुविधा युक्त स्टूडियों की आवश्यकता है। डॉ. सुरेश कुमार वर्मा ने नई शिक्षा नीति व ई क्लास की चुनौतियों पर चर्चा की। वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. जहांगीर रहमान कुरैशी ने शिक्षकों द्वारा यू-ट्यूब चैनल पर गुणवत्ता युक्त व्याख्यानों के अपलोड करने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इन वीडियो को देखें व घर बैठे अध्ययन को सुचारू रखें।

Scanned with CamScanner

कोविड -19 महामारी में शिक्षा का बदला स्वरूप -डॉ.अतुल गर्ग

ऑनलाईन टीचिंग व ई-कन्टेंट पर कार्यशाला

डीडवाना @ पत्रिका. राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में सोमवार को महाविद्यालय के इन्टरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आई.क्यू.ए.सी.) के तत्वावधान में 'ऑनलाइन टीचिंग व ई-कन्टेंट' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए सहआचार्य गणित डॉ.अतुल गर्ग ने कहा कि कोविड-19 की महामारी से शिक्षण कार्य की कक्षा-कक्ष पद्धति, जिसमें शिक्षक व विद्यार्थी आमने-सामने रहते हुए अध्ययन-अध्यापन करते थे, बाधित हुई है। डॉ.गर्ग ने बताया कि ऑनलाइन टीचिंग व ई कन्टेंट के माध्यम से शिक्षक वर्चुअल क्लासरूम में विद्यार्थी से इन्टरनेंट का उपयोग करते हुए जुड़ रहा है। यू-ट्यूब पर विषयगत टॉपिक्स पर वीडियो शेयर कर उन्हें घर बैठे अध्ययन जारी रखने में मदद कर रहे हैं। कार्यशाला के संयोजक डॉ.अरूण व्यास ने बताया कि महाविद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों में ई-कन्टेंट तैयार कर रहे हैं तथा बांगड़ कॉलेज के यू-ट्यूब चैनल पर अभी तक कुल 1169 वीडियोज अपलोड कर चुके हैं। जिसमें पाठ्यक्रम अनुसार अपडेटेड जानकारियां विद्यार्थियों को दी जा रही है। सहायक आचार्य चैनाराम महला ने बताया कि ई-प्लेटफार्म पर विद्यार्थियों से जुड़ाव रखने के लिए बढ़िया वीडियोज तैयार करने के लिए महाविद्यालय में रिकार्डिंग सुविधाओं युक्त स्टूडियो की आवश्यकता हैं। डॉ.सुरेश कुमार वर्मा ने नई शिक्षा नीति व ई क्लास की चुनौतियों, डॉ.इरशाद अली खान ने गांव व जरूरतमंद तक इन्टरनेट व स्मार्ट फोन की पहुंच नहीं होने के विषय पर विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ.जहांगीर रहमान कुरैशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे वीडियोज को देखे व घर बैठे अध्ययन को सुचारू रखें। प्राचार्य सी.एस. डोटासरा ने भी विचार व्यक्त किए।

Scanned with CamScanner

दैनिक भास्कर
कुचामन भास्कर 27-10-2020

ऑनलाइन टीचिंग व ई-कन्टेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का किया आयोजन

बांगड़ कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में वक्ताओं ने ऑन लाइन पढाई में आ रही दिक्कतों पर चर्चा की

भास्कर संवाददाता | डीडवाना

स्थानीय राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल आईक्यूएसी के तत्वावधान में ऑनलाइन टीचिंग व ई-कन्टेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में सह आचार्य डॉ. अतुल गर्ग ने अपने पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया कि कोविड-19 की महामारी से शिक्षण कार्य की कक्षा-कक्ष पद्धति जिसमें शिक्षक व विद्यार्थी आमने-सामने रहते हुए अध्ययन-अध्यापन करते थे, बाधित हुई है व इससे विद्यार्थियों को भारी नुकसान हुआ है। डॉ. गर्ग ने बताया कि ऑनलाइन टीचिंग व ई कंटेंट के माध्यम से शिक्षक वर्चुअल क्लास रूम में विद्यार्थी से इन्टरनेट का उपयोग करते हुए जुड़ रहा है तथा यू ट्यूब पर विषयगत टॉपिक्स पर विडियो शेयर कर उन्हें घर बैठे अध्ययन जारी रखने में मददगार है। कोविड-19 की आपदा को स्कूली शिक्षक व उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षक ने अवसर में बदलते हुए इन्टरनेट का उपयोग कर ऑनलाइन टीचिंग से विद्यार्थियों को लाभान्वित कर रहें हैं। डॉ. गर्ग ने इस सन्दर्भ में नए अवसर, चुनौतियों, सुझाव पर चर्चा की।

डीडवाना. बांगड़ कॉलेज मे कार्यशाला के दौरान उपस्थित प्राचार्य व अन्य।

कार्यशाला के संयोजक डॉ. अरूण व्यास ने बताया कि महाविद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों में ई-कन्टेंट तैयार कर रहे हैं तथा बांगड़ कॉलेज के यू-ट्यूब चैनल पर अभी तक कुल 1169 वीडियोज अपलोड कर चुके हैं जिसमें पाठ्यक्रम अनुसार अपडेटेड जानकारियां विद्यार्थियों को दी जा रही है। डॉ. व्यास ने बताया कि आईक्यूएसी ने महाविद्यालय मे शैक्षणिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु क्वालिटी इनिशिएटिव के तहत कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें सभी संकाय सदस्यों की सहभागिता रही। वाणिज्य संकाय की श्रीमती प्रेम परिहार, सह आचार्य ईएएफएम ने ऑनलाइन टीचिंग व ई कंटेंट की बारीकियों पर चर्चा करते हुए शिक्षकों के वीडियो व्याख्यान ने गुणात्मक सुधार पर प्रशंसा जाहिर की। कला संकाय के चैनाराम महला, डॉ. सुरेश कुमार वर्मा, डॉ. इरशाद अली खान सह आचार्य-राजनीति विज्ञान, डॉ. जहांगीर रहमान कुरैशी आदि ने विचार प्रकट किए। कार्यशाला का तकनीकी संचालन राजेन्द्र आसेरी ने किया।

Scanned with CamScanner